

Śhivōpāsanā Mantrāḥa

[KYV – TA 10-16-1 to 10-25-1]

ॐ निधनपतये नमः ॥ १ ॥ निधनपतान्तिकाय नमः ॥ २ ॥

ॐ ni**dha**napatayē namaḥa ॥ 1 ॥

ni**dha**napatān'tikāya namaḥa ॥ 2 ॥

ऊर्ध्वाय नमः ॥ ३ ॥ ऊर्ध्वलिङ्गाय नमः ॥ ४ ॥

ūrdh'vāya namaḥa ॥ 3 ॥ ūrdh'valiṅ'gāya namaḥa ॥ 4 ॥

हिरण्याय नमः ॥ ५ ॥ हिरण्यलिङ्गाय नमः ॥ ६ ॥

hiraṇ'yāya namaḥa ॥ 5 ॥ hiraṇ'yaliṅ'gāya namaḥa ॥ 6 ॥

सुवर्णाय नमः ॥ ७ ॥ सुवर्णलिङ्गाय नमः ॥ ८ ॥

suvar'ṇāya namaḥa ॥ 7 ॥ suvar'ṇaliṅ'gāya namaḥa ॥ 8 ॥

दिव्याय नमः ॥ ९ ॥ दिव्यलिङ्गाय नमः ॥ १० ॥

div'yāya namaḥa ॥ 9 ॥ div'yaliṅ'gāya namaḥa ॥ 10 ॥

भवाय नमः ॥ ११ ॥ भवलिङ्गाय नमः ॥ १२ ॥

bhavāya namaḥa ॥ 11 ॥ bhavaliṅ'gāya namaḥa ॥ 12 ॥

शर्वाय नमः ॥ १३ ॥ शर्वलिङ्गाय नमः ॥ १४ ॥

śhar'vāya namaḥa ॥ 13 ॥ śhar'valiṅ'gāya namaḥa ॥ 14 ॥

शिवाय नमः ॥ १५ ॥ शिवलिङ्गाय नमः ॥ १६ ॥

śhivāya namaḥa ॥ 15 ॥ śhivaliṅ'gāya namaḥa ॥ 16 ॥

ज्वलाय नमः ॥ १७ ॥ ज्वललिङ्गाय नमः ॥ १८ ॥

jvalāya namaḥa ॥ 17 ॥ jvalaliṅ'gāya namaḥa ॥ 18 ॥

आत्माय नमः ॥ १९ ॥ आत्मलिङ्गाय नमः ॥ २० ॥

āt'māya namaḥa ॥ 19 ॥ āt'maliṅ'gāya namaḥa ॥ 20 ॥

परमाय नमः ॥ २१ ॥ परमलिङ्गाय नमः ॥ २२ ॥

paramāya namaḥa ॥ 21 ॥ paramaliṅ'gāya namaḥa ॥ 22 ॥

एतत्सोमस्य सूर्यस्य सर्वलिङ्गं स्थापयति पाणिमन्त्रं पवित्रम् ॥ २३ ॥

ētath'sōmas'ya sūr'yas'ya sar'valiṅ'gag'ges' sthāpayati
pāṇiman'tram' pavit'ram ॥ 23 ॥

सद्योजातं प्रपद्यामि सद्योजाताय वै नमो नमः ।

भवेभवे नातिभवे भवस्व माम् । भवोद्भवाय नमः ॥ २४ ॥

sad'yōjātam' prapad'yāmi

sad'yōjātāya vai namō namaḥa ।

bhavē bhavē nātibhavē bhavas'va mām ।

bhavōd'bhavāya namaḥa ॥ 24 ॥

वामदेवाय नमो ॥ २५ ॥ ज्येष्ठाय नमश् ॥ २६ ॥

श्रेष्ठाय नमो ॥ २७ ॥ रुद्राय नमः ॥ २८ ॥

कालाय नमः ॥ २९ ॥ कलविकरणाय नमो ॥ ३० ॥

बलविकरणाय नमो ॥ ३१ ॥ बलाय नमो ॥ ३२ ॥

बलप्रमथनाय नमस् ॥ ३३ ॥ सर्वभूतदमनाय नमो ॥ ३४ ॥

मनोन्मनाय नमः ॥ ३५ ॥

vāmadēvāya namō'j' ॥ 25 ॥ jyēṣh'thāya namaśh' ॥ 26 ॥

śhrēṣh'thāya namō ॥ 27 ॥ rud'rāya nama[hk]' ॥ 28 ॥

kālāya nama[hk]' ॥ 29 ॥ kalavikaraṇāya namō ॥ 30 ॥

balavikaraṇāya namō ॥ 31 ॥ balāya namō ॥ 32 ॥

balap'ramathanāya namas' ॥ 33 ॥

sar'vabhūta damanāya namō ॥ 34 ॥

manōn'manāya namaḥa ॥ 35 ॥

अघोरे॑भ्योऽथ घोरे॑भ्यो घो॒रघो॑रतरेभ्यः ।

सर्वे॑भ्यस्सर्वं श॒र्वे॑भ्यो नम॑स्ते , अस्तु रु॒द्ररू॑पेभ्यः ॥ ३६ ॥

aghōrēbh'yō (a)tha ghōrēbh'yō

ghōraghōratarēbh'yaha ।

sar'vebh'yas' sar'vaśhar'vebh'yō namas'tē ,

as'tu rud'rarūpēbh'yaha ॥ 36 ॥

तत्पुरु॑षाय वि॒द्महे॑ महा॒देवाय॑ धीमहि । तन्नो॑ रु॒द्रः प्र॑चोदयात् ॥ ३७ ॥

tat'puruṣhāya vid'mahē mahādēvāya dhīmahī ।

tan'nō rud'ra[fp]' prachōdayāte ॥ 37 ॥

ईशा॑नस्सर्वविद्या॒नामी॒श्वर॑स्सर्व॒भूता॑नां ब्र॒ह्माधि॑पति॒र्ब्रह्म॑णोऽधि॒पति॑र्ब्र॒ह्मा

शि॒वो मे॑ , अस्तु सदा॑शि॒वोम् ॥ ३८ ॥

īśhānas' sar'va vid'yānāmīśh'varas' sar'vabhūtānām'

bram'hādhipatir' bram'haṇō (a)dhipatir'

bram'hāśhivō mē , as'tu sadāśhivōm ॥ 38 ॥

नमो॑ हिरण्यबा॒हवे॑ हिरण्यव॒र्णाय॑ हिरण्यरू॒पाय॑

हिरण्यप॑तयेऽम्बिकाप॑तय ,

उमा॑पतये पशु॒पतये॑ नमो॒ नमः॑ ॥ ३९ ॥

namō hiraṇ'yabāhavē hiraṇ'yavar'ṇāya hiraṇ'yarūpāya

hiraṇ'yapatayē (a)m'bikāpataya ,

umāpatayē paśhupatayē namō namaḥa ॥ 39 ॥

ऋतं सत्यं परं ब्रह्म पुरुषं कृष्णपिङ्गलम् ।

ऊर्ध्वरेतं विरूपाक्षं विश्वरूपाय वै नमो नमः ॥ ४० ॥

ṛtagm' sat'yam' param'

bram'ha puruṣhañ' kṛṣh'ṇapiṅ'galam ।

ūrdh'varētam' virūpāk'ṣham'

viśh'varūpāya vai namō namaḥa ॥ 40 ॥

सर्वो वै रुद्रस्तस्मै रुद्राय नमो, अस्तु । पुरुषो वै रुद्रस्सन्महो नमो नमः ।

sar'vō vai rud'ras'tas'mai rud'rāya namō, as'tu ।

puruṣhō vai rud'ras' san'mahō namō namaḥa ।

विश्वं भूतं भुवनं चित्रं बहुधा जातं जायमानं च यत् ।

सर्वो ह्येष रुद्रस्तस्मै रुद्राय नमो, अस्तु ॥ ४१ ॥

viśh'vam' bhūtam' bhuvanañ' chit'ram' bahudhā

jātañ' jāyamānañ' cha yate ।

sar'vōh' hyēṣha rud'ras'tas'mai

rud'rāya namō, as'tu ॥ 41 ॥

कद्रुद्राय प्रचेतसे मीढुष्टमाय तव्यसे । वोचेम शंतमं हृदे ।

सर्वो ह्येष रुद्रस्तस्मै रुद्राय नमो, अस्तु ॥ ४२ ॥

kad'rud'rāyap' prachētasē mīdhuṣh'tamāya tav'yaṣē ।

vōchēma śhan'tamagm' hṛdē ।

sar'vōh' hyēṣha rud'ras'tas'mai

rud'rāya namō, as'tu ॥ 42 ॥

ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः ॥

ॐ śhā-n'tiśh' śhā-n'tiśh' śhā-n'tiḥi ॥